भारत सरकार

श्रम और रोजगार मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 2335

गुरुवार, 20 मार्च, 2025/29 फाल्गुन, 1946 (शक)

शहरी क्षेत्रों में रोजगार सृजन

2335. श्री इमरान प्रतापगढ़ी:

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या स्टार्टअप इंडिया और मेक इन इंडिया जैसी सरकार की प्रमुख पहलों ने देश के शहरी क्षेत्रों में रोजगार सृजन में योगदान दिया है**;**

(ख) यदि हां**,** तो पिछले दो वर्षों (वर्ष 2023-25) में इन योजनाओं के अंतर्गत कितने रोजगार सृजित किए गए**,** राज्य/संघ राज्य क्षेत्र**,** वर्ष और योजना के आधार पर वर्गीकृत करते हुए तत्संबंधी ब्यौरा क्या है**;** और

(ग) मौजूदा आर्थिक अनिश्चितताओं के मद्देनजर शहरी रोजगार को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

श्रम और रोजगार राज्य मंत्री

(सुश्री शोभा कारान्दलाजे)

(क) से (ग): सरकार ने नवाचार, स्टार्टअप को बढ़ावा देने तथा देश के स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के उद्देश्य से 16 जनवरी, 2016 को स्टार्टअप इंडिया पहल शुरू की।

जीएसआर अधिसूचना 127 (ई) दिनांक 19 फरवरी 2019 के तहत निर्धारित पात्रता की शर्तों के अनुसार, उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत संस्थाओं को 'स्टार्टअप' के रूप में मान्यता दी गई है। 31 जनवरी 2025 तक, देश भर में डीपीआईआईटी द्वारा 1,61,150 संस्थाओं को स्टार्टअप के रूप में मान्यता दी गई है, जिन्होंने पिछले पांच वर्षों अर्थात वर्ष 2020, 2021, 2022, 2023 और वर्ष 2024 में सृजित 14.11 लाख से अधिक सृजित प्रत्यक्ष नौकरियों सहित कथित तौर पर 17.69 लाख से अधिक प्रत्यक्ष नौकरियों का सृजन किया है। दिनांक 31 जनवरी, 2025 तक डीपीआईआईटी द्वारा स्टार्टअप के रूप में मान्यता प्राप्त संस्थाओं द्वारा सृजित प्रत्यक्ष नौकरियों (स्व-रिपोर्ट) की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार संख्या अनुबंध- I के रूप में दी गई है।

निवेश को सुगम बनाने, नवाचार को बढ़ावा देने, बुनियादी ढांचे में श्रेष्ठ श्रेणी का निर्माण करने और भारत को विनिर्माण, डिजाइन और नवाचार का केंद्र बनाने के लिए 25 सितंबर, 2014 को 'मेक इन इंडिया' पहल शुरू की गई थी। यह अनूठी 'वोकल फॉर लोकल' पहलों में से एक है जिसने दुनिया के लिए भारत के विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा दिया। देश में घरेलू और विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) को बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने के लिए मंत्रालयों, राज्य सरकारों और विदेश में भारतीय मिशनों के माध्यम से निवेश आउटरीच किया जा रहा है। वर्तमान में, मेक इन इंडिया 2.0, विभिन्न मंत्रालयों/विभागों और राज्य सरकारों में कार्यान्वित किए जा रहे 27 क्षेत्रों पर केंद्रित है।

शहरी परिदृश्य में आजीविका के अवसरों को बढ़ाने के लिए, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय "दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (डीएवाई-एनयूएलएम)" जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के तहत सहायता प्रदान करके राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के प्रयासों में सहायता प्रदान कर रहा है, जिसे फरवरी 2016 से 30 सितंबर, 2024 तक लागू किया गया था। इस मिशन का उद्देश्य शहरी गरीब परिवारों को लाभकारी स्वरोजगार और कुशल मजदूरी रोजगार तक पहुंचने में सक्षम बनाकर उनकी गरीबी और असुरक्षा की भावना को कम करना है, जिसके परिणामस्वरूप इसके विभिन्न घटकों जैसे सामाजिक गतिशीलता और संस्था विकास (एसएम एंड आईडी), कौशल प्रशिक्षण और प्लेसमेंट के माध्यम से रोजगार (ईएसटीपी), स्वरोजगार कार्यक्रम (एसईपी) के माध्यम से स्थायी आधार पर उनकी आजीविका में काफी सुधार हुआ है।

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने दिनांक 01 जून, 2020 को प्रधानमंत्री पथ विक्रेता आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना शुरू की है, ताकि पथ विक्रेताओं को अपने व्यवसायों को फिर से शुरू करने के लिए जमानत मुक्त कार्यशील पूंजी ऋण की सुविधा मिल सके, जो कोविड-19 महामारी के दौरान प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुए थे।

इसके अतिरिक्त, सरकार देश में विभिन्न रोजगार सृजन योजनाएं/कार्यक्रम भी कार्यान्वित कर रही है। इसमें अन्य बातों के साथ-साथ प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी), प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई), स्टैंड-अप इंडिया योजना आदि शामिल हैं। सरकार द्वारा कार्यान्वित की जा रही विभिन्न रोजगार सृजन योजनाओं/कार्यक्रमों का विवरण https://dge.gov.in/dge/schemes_programmes पर देखा जा सकता है।

भारत सरकार का श्रम और रोजगार मंत्रालय राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल चला रहा है, जो निजी और सरकारी क्षेत्रों की नौकरियों, ऑनलाइन और ऑफलाइन रोजगार मेलों की जानकारी, नौकरी खोज और मिलान, करियर परामर्श, व्यावसायिक मार्गदर्शन, कौशल विकास पाठ्यक्रमों की जानकारी, कौशल/प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि सहित करियर से संबंधित सेवाएं एक डिजिटल प्लेटफॉर्म [www.ncs.gov.in] के माध्यम से प्रदान करने के लिए वन-स्टॉप समाधान है। दिनांक 28.02.2025 तक, एनसीएस पोर्टल पर 4.7 करोड़ से अधिक रिक्तियां जुटाई गई हैं।

*****

अनुबंध

राज्य सभा के दिनांक 20.03.2025 के अतारांकित प्रश्न संख्या 2335 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

पिछले पांच वर्षों अर्थात वर्ष 2020, 2021, 2022, 2023 और वर्ष 2024 के दौरान डीपीआईआईटी द्वारा स्टार्टअप के रूप में मान्यता प्राप्त संस्थाओं द्वारा सृजित प्रत्यक्ष नौकरियों (स्व-रिपोर्ट की गई) की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार संख्या सहित दिनांक 31 जनवरी, 2025 तक सृजित प्रत्यक्ष नौकरियों की कुल संख्या निम्नानुसार है:

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार	2020	2021	2022	2023	2024	31 जनवरी 2025 तक कुल सृजित प्रत्यक्ष नौकरियाँ (स्व-रिपोर्ट की गई)
अंडमान व निकोबार द्वीप समूह	32	72	71	85	137	485
आंध्र प्रदेश	3,059	2,419	3,062	5,750	5,259	24,490
अरुणाचल प्रदेश	0	31	55	185	252	657
असम	935	1,447	2,623	3,350	3,418	14,435
बिहार	2,369	3,230	4,692	9,061	7,378	30,610
चंडीगढ़	426	1,050	898	1,324	875	5,557
छत्तीसगढ	1,169	1,943	2,214	3,239	4,774	16,749
दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव	31	136	147	138	144	745
दिल्ली	20,442	24,298	31,880	38,483	29,948	196,751
गोवा	384	523	887	824	879	4,476
गुजरात	9,625	18,074	23,944	48,214	35,834	158,336
हरियाणा	13,237	10,836	13,849	26,115	23,232	111,716
हिमाचल प्रदेश	283	346	1,029	1,089	969	4,453
जम्मू और कश्मीर	489	816	1,306	2,437	2,164	8,284
झारखंड	1,458	1,479	1,924	3,525	3,125	13,237
कर्नाटक	29,640	21,788	24,898	35,273	28,795	195,147
केरल	5,832	7,761	10,345	11,788	10,267	57,326
लद्दाख	3	3	52	44	31	139
लक्षद्वीप	7	0	0	31	0	38
मध्य प्रदेश	3,713	6,757	11,748	12,238	10,353	53,343
महाराष्ट्र	35,751	41,754	52,143	65,199	57,505	317,801
मणिपुर	133	409	309	195	385	1,606
मेघालय	0	120	61	157	106	489
मिजोरम	2	15	106	79	86	368
नागालैंड	32	86	71	239	3,697	4,180
ओडिशा	2,463	4,136	4,632	6,532	10,797	34,219
पुडुचेरी	73	205	237	568	213	1,713
पंजाब	1,792	4,418	2,319	4,983	3,527	20,309
राजस्थान	5,546	5,864	11,639	13,748	11,372	57,986
सिक्किम	2	39	22	8	0	88
तमिलनाडु	9,234	10,370	18,147	30,620	26,223	113,485
तेलंगाना	10,532	10,859	15,081	18,509	16,615	93,864
त्रिपुरा	765	103	202	193	313	1,932
उत्तर प्रदेश	17,640	20,831	23,181	33,992	34,807	155,499
उत्तराखंड	762	1,754	1,684	2,401	7,331	16,051
पश्चिम बंगाल	3,741	7,344	9,462	11,565	11,110	53,041
योग	**181,602**	**211,316**	**274,920**	**392,181**	**351,921**	**17,69,605**

स्रोत: डीपीआईआईटी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय